# क्रिया की अवस्थाएँ

क्रिया की तीन अवस्थाएँ होती है|

**समान्य अवस्था** जहाँ क्रिया के समान्यत: होने का बोध होता है क्रिया समान्य अवस्था तीनो कालो में पाई जाती है।

**उदाहरण** = मोहन अपने मित्र से मिलने गया

वह अपनी किताब पढ़ रहा है

वे आगरा जायेगे

**विधि अवस्था**

आज्ञा, प्रार्थना व प्रश्न का भाव प्रकट करता है

विधि अवस्था के दो भेद होते है

**प्रत्यक्ष अवस्था** यह वर्तमान काल में पाये जाते है

उदाहरण- क्या में बैठ सकता हूँ ?

तुम कहाँ रहते हो ?

**परोक्ष अवस्था** – भविष्य काल

OBLYPREPS

**संभाव्य अवस्था** –सम्भावना संदेह का भाव प्रकट होता है-

उदाहरण = शायद वह आगरा आयेगा।

शायद वह आ सके।

**Visit on:-** https://youtu.be/08fPLqW_IZs

#क्रिया की अवस्थाएँ #समान्यअवस्था #विधिअवस्था #प्रत्यक्षअवस्था #परोक्षअवस्था #संभाव्यअवस्था

*Sharing Is Caring*
*If you found it useful, don't forget to share your friends.*

OBLYPREPS



"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"